भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3367

07 अगस्त, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत शून्य खुराक

†3367. डॉ. राज कुमार चब्बेवाल:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उन वैश्विक रिपोर्टों पर ध्यान दिया है जिनमें यह दर्शाया गया है कि हाल ही में रिपोर्ट किए गए वर्ष के दौरान विश्व भर में लगभग 13.5 मिलियन बच्चों को नियमित टीके की एक भी खुराक नहीं मिली है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने विगत पांच वर्षों के दौरान भारत में शून्य खुराक वाले बच्चों की संख्या का आकलन किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी वर्ष-वार और राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी), मिशन इन्द्रधनुष और विशेषकर शहरी मलिन बस्तियों, जनजातीय, दूरस्थ और प्रवासी आबादी में शून्य खुराक वाले और कम प्रतिरक्षित बच्चों की पहचान करने और उनका टीकाकरण करने के लिए अन्य पहलों के अंतर्गत क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या सरकार ने शून्य खुराक वाले बच्चों को खुराक प्रदान करने और वैश्विक लक्ष्यों के अनुरूप नियमित टीकाकरण कवरेज को सुदृढ़ करने के लिए लक्ष्य और समय-सीमा निर्धारित की है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ङ): भारत सरकार सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) के अंतर्गत सभी सरकारी स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केंद्रों में 12 टीका-निवारणीय रोगों के लिए 11 टीके निःशुल्क उपलब्ध कराती है। जीरो-डोज बच्चे ऐसे एक वर्ष से कम आयु के शिशु हैं, जिन्हें पेंटावैलेंट टीके की पहली खुराक प्राप्त नहीं हुई है।

- वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत का पूर्ण टीकाकरण कवरेज (एफआईसी) 97.9 प्रतिशत है। (स्रोत: एचएमआईएस, दिनांक 25 जुलाई, 2026 की स्थिति के अनुसार)

- देश में पेंटावैलेंट टीके की प्रथम खुराक का कवरेज 97 प्रतिशत है। (स्रोत: एचएमआईएस, दिनांक 25 जुलाई, 2026 की स्थिति के अनुसार)

- भारत में पिछले पाँच वर्षों के दौरान शून्य-डोज बच्चों की संख्या का विवरण **अनुलग्नक** में है।

2. विशेष रूप से शहरी मलिन बस्तियों, जनजातीय, दूरस्थ तथा प्रवासी आबादी में शून्य-डोज बच्चों की संख्या कम करने के लिए सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) के अंतर्गत निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं—

(i) इस कार्यक्रम के समन्वित एवं प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा टीकाकरण कार्य समूह (आईएजी), राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) तथा राष्ट्रीय कार्यक्रम समन्वय समिति (एनपीसीसी) के माध्यम से नियमित समीक्षा और राज्य टीकाकरण कार्यबल (एसटीएफआई), जिला टीकाकरण कार्यबल (डीटीएफआई) तथा ब्लॉक टीकाकरण कार्यबल (बीटीएफआई) द्वारा समीक्षा की जाती है।

(ii) बिना टीकाकरण वाले बच्चों की अधिक संख्या वाले 11 राज्यों के 143 जिलों में वर्ष 2024 से शून्य-डोज कार्यान्वयन योजना लागू की गई है।

(iii) राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (एनआईडी) तथा उप-राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (एसएनआईडी) के माध्यम से पल्स पोलियो अभियान आयोजित किए जाते हैं। भारत ने वर्ष 2014 से पोलियो-मुक्त देश का दर्जा बनाए रखा है।

(iv) समुदाय स्तर पर टीकाकरण एवं आउटरीच कार्यकलापों के लिए ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (वीएचएनडी) का आयोजन किया जाता है।

(v) टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा टीकों के प्रति हिचकिचाहट को दूर करने के लिए नियमित रूप से सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) अभियान संचालित किए जाते हैं।

दिनांक 07.08.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3367 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

अनुलग्नक

भारत में पिछले पाँच वर्षों के दौरान शून्य-डोज बच्चों की संख्या *					
वर्ष	**2021**	**2022**	**2023**	**2024**	**2025**
भारत में जीरो-डोज़ बच्चों की संख्या	**27,36,114**	**11,39,518**	**15,92,409**	**9,08,667**	**6,78,756**

***स्रोत: ग्लोबल डब्ल्यूयूईएनआईसी डाटा**

*****